रविवार 13 दिसंबर, 2020

विषय — भगवान मनुष्य के संरक्षक हैं

स्वर्ण पाठ: **नीतिवचन 30 : 5**

"*ईश्वर का एक एक वचन ताया हुआ है; वह अपने शरणागतों की ढाल ठहरा है।*"

उत्तरदायी अध्ययन: **भजन संहिता 36 : 5-10**

5 हे यहोवा तेरी करूणा स्वर्ग में है, तेरी सच्चाई आकाश मण्डल तक पहुंची है।
6 तेरा धर्म ऊंचे पर्वतों के समान है, तेरे नियम अथाह सागर ठहरे हैं; हे यहोवा तू मनुष्य और पशु दोनों की रक्षा करता है॥
7 हे परमेश्वर तेरी करूणा, कैसी अनमोल है! मनुष्य तेरे पंखो के तले शरण लेते हैं।
8 वे तेरे भवन के चिकने भोजन से तृप्त होंगे, और तू अपनी सुख की नदी में से उन्हें पिलाएगा।
9 क्योंकि जीवन का सोता तेरे ही पास है; तेरे प्रकाश के द्वारा हम प्रकाश पाएंगे॥
10 अपने जानने वालों पर करूणा करता रह, और अपने धर्म के काम सीधे मन वालों में करता रह!

पाठ उपदेश

बाइबल

1. **भजन संहिता 121 : 1-8**

1 मैंअपनी आंखें पर्वतों की ओर लगाऊंगा। मुझे सहायता कहां से मिलेगी?
2 मुझे सहायता यहोवा की ओर से मिलती है, जो आकाश और पृथ्वी का कर्ता है॥
3 वह तेरे पांव को टलने न देगा, तेरा रक्षक कभी न ऊंघेगा।
4 सुन, इस्राएल का रक्षक, न ऊंघेगा और न सोएगा॥
5 यहोवा तेरा रक्षक है; यहोवा तेरी दाहिनी ओर तेरी आड़ है।
6 न तो दिन को धूप से, और न रात को चांदनी से तेरी कुछ हानि होगी॥
7 यहोवा सारी विपत्ति से तेरी रक्षा करेगा; वह तेरे प्राण की रक्षा करेगा।

8 यहोवा तेरे आने जाने में तेरी रक्षा अब से ले कर सदा तक करता रहेगा॥

2. 2 इतिहास 14 : 2 (आसा)-5, 8-13

2 और आसा ने वही किया जो उसके परमेश्वर यहोवा की दृष्टि में अच्छा और ठीक था।
3 उसने तो पराई वेदियों को और ऊंचे स्थानों को दूर किया, और लाठों को तुड़वा डाला, और अशेरा नाम
मूरतों को तोड़ डाला।
4 और यहूदियों को आज्ञा दी कि अपने पूर्वजों के परमेश्वर यहोवा की खोज करें और व्यवस्था और आज्ञा
को मानों।
5 और उसने ऊंचे स्थानों और सूर्य की प्रतिमाओं को यहूदा के सब नगरों में से दूर किया, और उसके साम्हने
राज्य में चैन रहा।
8 फिर आसा के पास ढाल और बछीं रखने वालों की एक सेना थी, अर्थात यहूदा में से तो तीन लाख पुरुष
और बिन्यामीन में से फरी रखने वाले और धनुर्धारी दो लाख अस्सी हजार ये सब शूरवीर थे।
9 और उनके विरुद्ध दस लाख पुरुषों की सेना और तीन सौ रथ लिये हुए जेरह नाम एक कूशी निकला और
मारेशा तक आ गया।
10 तब आसा उसका साम्हना करने को चला और मारेशा के निकट सापता नाम तराई में युद्ध की पांति बान्धी
गई।
11 तब आसा ने अपने परमेश्वर यहोवा की यों दोहाई दी, कि हे यहोवा! जैसे तू सामर्थी की सहायता कर
सकता है, वैसे ही शक्तिहीन की भी; हे हमारे परमेश्वर यहोवा! हमारी सहायता कर, क्योंकि हमारा
भरोसा तुझी पर है और तेरे नाम का भरोसा कर के हम इस भीड़ के विरुद्ध आए हैं। हे यहोवा, तू हमारा
परमेश्वर है; मनुष्य तुझ पर प्रबल न होने पाएगा।
12 तब यहोवा ने कूशियों को आसा और यहूदियों के साम्हने मारा और कूशी भाग गए।
13 और आसा और उसके संग के लोगों ने उनका पीछा गरार तक किया, और इतने कूशी मारे गए, कि वे
फिर सिर न उठा सके क्योंकि वे यहोवा और उसकी सेना से हार गए, और यहूदी बहुत सा लूट ले गए।

3. यशायाह 41 : 10-13

10 मत डर, क्योंकि मैं तेरे संग हूं, इधर उधर मत ताक, क्योंकि मैं तेरा परमेश्वर हूं; मैं तुझे दृढ़ करूंगा और
तेरी सहायता करूंगा, अपने धर्ममय दाहिने हाथ से मैं तुझे सम्हाले रहूंगा॥
11 देख, जो तुझ से क्रोधित हैं, वे सब लज्जित होंगे; जो तुझ से झगड़ते हैं उनके मुंह काले होंगे और वे
नाश हो कर मिट जाएंगे।
12 जो तुझ से लड़ते हैं उन्हें ढूंढने पर भी तू न पएगा; जो तुझ से युद्ध करते हैं वे नाश हो कर मिट जाएंगे।
13 क्योंकि मैं तेरा परमेश्वर यहोवा, तेरा दहिना हाथ पकड़कर कहूंगा, मत डर, मैं तेरी सहायता करूंगा॥

4. 1 इतिहास 17 : 16 (दाऊद) (*से 2nd* ,), 20-22

16 तब दाऊद राजा भीतर जा कर यहोवा के सम्मुख बैठा, और कहने लगा
20 हे यहोवा! जो कुछ हम ने अपने कानों से सुना है, उसके अनुसार तेरे तुल्य कोई नहीं, और न तुझे छोड़ और कोई परमेश्वर है।
21 फिर तेरी प्रजा इस्राएल के भी तुल्य कौन है? वह तो पृथ्वी भर में एक ही जाति है, उसे परमेश्वर ने जा कर अपनी निज प्रजा करने को छुड़ाया, इसलिये कि तू बड़े और डरावने काम कर के अपना नाम करे, और अपनी प्रजा के साम्हने से जो तू ने मिस्र से छुड़ा ली थी, जाति जाति के लोगों को निकाल दे।
22 क्योंकि तू ने अपनी प्रजा इस्राएल को अपनी सदा की प्रजा होने के लिये ठहराया, और हे यहोवा! तू आप उसका परमेश्वर ठहरा।

5. 1 इतिहास 18 : 1-3, 5, 6, 14 (दाऊद)

1 इसके बाद दाऊद ने पलिश्तियों को जीतकर अपने आधीन कर लिया, और गांवों समेत गत नगर को पलिश्तियों के हाथ से छीन लिया।
2 फिर उसने मोआबियों को भी जीत लिया, और मोआबी दाऊद के आधीन हो कर भेंट लाने लगे।
3 फिर जब सोबा का राजा हदरेजेर परात महानद के पास अपने राज्य स्थिर करने को जा रहा था, तब दाऊद ने उसको हमात के पास जीत लिया।
5 और जब दमिश्क के अरामी, सोबा के राजा हदरेजेर की सहायता करने को आए, तब दाऊद ने अरामियों में से बाईस हजार पुरुष मारे।
6 तब दाऊद ने दमिष्क के अराम में सिपाहियों की चौकियां बैठाईं; सो अरामी दाऊद के आधीन हो कर भेंट ले आने लगे। और जहां जहां दाऊद जाता, वहां वहां यहोवा उसको जय दिलाता था।
14 दाऊद तो सारे इस्राएल पर राज्य करता था, और वह अपनी सब प्रजा के साथ न्याय और धर्म के काम करता था।

6. यशायाह 49 : 8-10

8 यहोवा यों कहता है, अपनी प्रसन्नता के समय मैं ने तेरी सुन ली, उद्धार करने के दिन मैं ने तेरी सहायता की है; मैं तेरी रक्षा कर के तुझे लोगों के लिये एक वाचा ठहराऊंगा, ताकि देश को स्थिर करे और उजड़े हुए स्थानों को उनके अधिकारियों के हाथ में दे दे; और बंधुओं से कहे, बन्दीगृह से निकल आओ;
9 और जो अन्धियारे में हैं उन से कहे, अपने आप को दिखलाओ! वे मार्गों के किनारे किनारे पेट भरने पाएंगे, सब मुण्डे टीलों पर भी उन को चराई मिलेगी।

10 वे भूखे और प्यासे होंगे, न लूह और न घाम उन्हें लगेगा, क्योंकि, वह जो उन पर दया करता है, वही उनका अगुवा होगा, और जल के सोतों के पास उन्हें ले चलेगा।

7. इफिसियों 2: 4 (परमेश्वर), 5 (*से 2nd* ,), 6, 8

4 परन्तु परमेश्वर ने जो दया का धनी है; अपने उस बड़े प्रेम के कारण, जिस से उस ने हम से प्रेम किया।
5 जब हम अपराधों के कारण मरे हुए थे, तो हमें मसीह के साथ जिलाया;
6 और मसीह यीशु में उसके साथ उठाया, और स्वर्गीय स्थानों में उसके साथ बैठाया।
8 क्योंकि विश्वास के द्वारा अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है, और यह तुम्हारी ओर से नहीं, वरन परमेश्वर का दान है।

विज्ञान और स्वास्थ्य

1. 387 : 27-32

ईसाइयत का इतिहास अपने स्वर्गीय पिता, सर्वशक्तिमान मन, द्वारा मनुष्य पर समर्थित शक्ति और रक्षा शक्ति के उदात्त प्रमाण प्रस्तुत करता है, जो मनुष्य को विश्वास और समझ प्रदान करता है जिससे वह खुद का बचाव करता है, न केवल प्रलोभन से, बल्कि शारीरिक पीड़ा से।

2. 23 : 21-31

हिब्रू, ग्रीक, लैटिन और अंग्रेजी में, विश्वास और तत्संबंधी शब्द इन दो परिभाषाओं, विश्वास और भरोसेमंदता हैं। एक प्रकार का विश्वास दूसरों के कल्याण पर विश्वास करता है। एक और तरह का विश्वास ईश्वरीय प्रेम को समझता है और कैसे डर और कांपने के साथ "खुद के उद्धार का काम करना है।" "हे प्रभु, मैं विश्वास करता हूं, मेरे अविश्वास का उपाय कर।" एक अंध विश्वास की लाचारी व्यक्त करता है; जबकि निषेधाज्ञा, "विश्वास... तो तू और उद्धार पाएगा।"! आत्मनिर्भर भरोसेमंदता की मांग करता है, जिसमें आध्यात्मिक समझ शामिल है और सभी को ईश्वर तक पहुंचाता है।

3. 1:1-4

पापी को सुधारने और बीमार को ठीक करने वाली प्रार्थना एक पूर्ण विश्वास है कि भगवान के लिए सभी चीजें संभव हैं, - एक आध्यात्मिक समझ, एक निःस्वार्थ प्रेम।

4. 146 : 2-7

प्राचीन ईसाई चिकित्सक थे। ईसाई धर्म का यह तत्व क्यों खो गया है? क्योंकि हमारे धर्म की प्रणालियाँ चिकित्सा की हमारी प्रणालियों द्वारा कम या ज्यादा संचालित होती हैं। पहले मूर्तिपूजा सामग्री में विश्वास था। स्कूलों ने देवता में विश्वास के बजाय, ड्रग्स के फैशन पर विश्वास किया है।

5. 328 : 4-13

मनुष्यों का मानना है कि वे अच्छाई के बिना रह सकते हैं, जब भगवान अच्छा है और एकमात्र वास्तविक जीवन है। इसका परिणाम क्या है? दिव्य सिद्धांत के बारे में बहुत कम समझना जो बचाता है और ठीक करता है, नश्वर पाप, बीमारी, और मृत्यु से केवल विश्वास में छुटकारा पाते हैं। इन त्रुटियों को वास्तव में नष्ट नहीं किया जाता है, और इसलिए जब तक, यहाँ या उसके बाद नश्वर लोगों से चिपके रहना चाहिए, वे विज्ञान में भगवान की सच्ची समझ हासिल करते हैं जो उसके बारे में मानव भ्रम को नष्ट कर देता है और उसकी सहयोगीता की भव्य वास्तविकताओं को प्रकट करता है।

6. 285 : 23-31

ईश्वर को एक कॉर्पोरल उद्धारकर्ता के रूप में व्याख्या करने के लिए लेकिन बचत सिद्धांत या ईश्वरीय प्रेम के रूप में नहीं, हम क्षमा के माध्यम से मोक्ष प्राप्त करना जारी रखेंगे, न कि सुधार के माध्यम से, और बीमारों के इलाज के लिए आत्मा के बजाय मामले का सहारा लेंगे। जैसा कि नश्वर तक पहुँचते हैं, क्रिश्चियन साइंस के ज्ञान के माध्यम से, एक उच्च भावना, वे सीखने की तलाश करेंगे, न कि पदार्थ से, बल्कि ईश्वरीय सिद्धांत से, ईश्वर, मसीह, सत्य, को उपचार और बचत शक्ति के रूप में कैसे प्रदर्शित करें।

7. 133 : 8-15

मिस्र में, यह मन ही था जिसने इस्राएलियों को विपत्तियों पर विश्वास करने से बचाया था। जंगल में, चट्टान से धाराएँ बहती थीं और मैना आसमान से गिरती थी। इस्राएलियों ने ब्रेज़ेन सर्प को देखा, और सीधे विश्वास किया कि वे वाइपर के जहरीले डंक से ठीक हो गए हैं। राष्ट्रीय समृद्धि में, चमत्कारों ने इब्रियों की सफलताओं में भाग लिया; लेकिन जब वे सच्चे विचार से विदा हुए, तो उनका विध्वंस शुरू हो गया।

8. 243 : 4-15

दैवीय प्रेम, जिसने जहरीली सांप को हानिरहित बना दिया, जिसने उबलते हुए तेल से पुरुषों को ज्वलंत भट्ठी से, शेर के जबड़े से, हर उम्र में बीमार और पाप और विजय से मृत्यु तक पहुंचाया। इसने नायाब शक्ति और प्रेम के साथ यीशु के प्रदर्शनों को ताज पहनाया। लेकिन भविष्यद्वक्ताओं और प्रेरितों के प्राचीन प्रदर्शनों की पुष्टि करने और उन्हें दोहराने के लिए उसी "मन ... जो मसीह यीशु में भी था" हमेशा विज्ञान के पत्र के साथ होना चाहिए।

उन अजूबों को आज अधिक दोहराया नहीं जाता है, आध्यात्मिक विकास की कमी के कारण इच्छा की कमी से इतना नहीं उठता है।

9. 230 : 1-2, 4-10

यदि बीमारी वास्तविक है, तो यह अमरता से संबंधित है; अगर यह सच है, यह सत्य का एक हिस्सा है।... लेकिन अगर बीमारी और पाप भ्रम हैं, तो इस नश्वर सपने से जागृति, या भ्रम, हमें स्वास्थ्य, पवित्रता और अमरता में लाएगा। यह जागृति हमेशा के लिए मसीह के आने की है, सत्य का उन्नत रूप है, जो त्रुटि को बाहर निकालता है और बीमारों को ठीक करता है। यह वह मोक्ष है जो ईश्वर, ईश्वरीय सिद्धांत और प्रेम के माध्यम से आता है, जैसा कि यीशु द्वारा प्रदर्शित किया गया है।

10. 202 : 6-14

अगर पुरुषों को विज्ञान के मन पर आधा विश्वास करना होगा, तो वे तथाकथित ज्ञान और भौतिक अर्थों के सुखों पर विश्वास करेंगे, t वे बुरे से बुरे की ओर नहीं जाते, जब तक कि जेल और मचान से अनुशासित न हों; लेकिन पूरे मानव परिवार को मसीह के गुणों के माध्यम से भुनाया जाएगा, — सत्य की धारणा और स्वीकृति के माध्यम से। इस शानदार परिणाम के लिए क्रिश्चियन साइंस आध्यात्मिक समझ की मशाल जलाता है।

11. 410 : 14-17

ईश्वर में हमारी आस्था का हर परीक्षण हमें मजबूत बनाता है। आत्मा से पार पाने के लिए भौतिक स्थिति जितनी कठिन लगती है, उतनी ही मजबूत हमारे विश्वास और हमारे प्रेम को शुद्ध करना चाहिए।

12. 487 : 27-1

यह समझ कि जीवन ईश्वर है, आत्मा, जीवन की मृत्यु रहित वास्तविकता, उसकी सर्वशक्तिमानता और अमरता में हमारे विश्वास को मजबूत करके हमारे दिनों को लंबा कर देती है।

यह विश्वास एक समझे हुए सिद्धांत पर निर्भर करता है। यह सिद्धांत संपूर्ण रोगग्रस्त बनाता है, और चीजों के स्थायी और सामंजस्यपूर्ण चरणों को सामने लाता है।

13. 368 : 14-19

जब हम त्रुटि में होने की तुलना में अधिक विश्वास करते हैं, तो हम आत्मा में अधिक विश्वास रखते हैं, बात करने की तुलना में अधिक विश्वास करते हैं, मरने की तुलना में जीने में अधिक विश्वास करते हैं, मनुष्य की तुलना में

भगवान में अधिक विश्वास करते हैं, तब कोई भी भौतिक दमन हमें बीमार होने और त्रुटि को नष्ट करने से नहीं रोक सकता

14. 395 : 11-14

जब दैवीय विज्ञान एक कार्तिक मन में विश्वास को खत्म कर देता है, और भगवान में विश्वास पाप में और उपचार के भौतिक तरीकों में सभी विश्वासों को नष्ट कर देता है, तो पाप, बीमारी और मृत्यु गायब हो जाएगी।

दैनिक कर्तव्यों

मैरी बेकर एड्डी द्वारा

दैनिक प्रार्थना

प्रत्येक दिन प्रार्थना करने के लिए इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का कर्तव्य होगा: "तुम्हारा राज्य आओ;" ईश्वरीय सत्य, जीवन और प्रेम के शासन को मुझमें स्थापित करो, और मुझ पर शासन करो; और तेरा वचन सभी मनुष्यों के स्नेह को समृद्ध कर सकता है, और उन पर शासन करो!

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 4

उद्देश्यों और कृत्यों के लिए एक नियम

न तो दुश्मनी और न ही व्यक्तिगत लगाव मदर चर्च के सदस्यों के उद्देश्यों या कृत्यों को लागू करना चाहिए। विज्ञान में, दिव्य प्रेम ही मनुष्य को नियंत्रित करता है; और एक क्रिश्चियन साइंटिस्ट प्यार की मीठी सुविधाओं को दर्शाता है, पाप में डांटने पर, सच्चा भाईचारा, परोपकार और क्षमा में। इस चर्च के सदस्यों को प्रतिदिन ध्यान रखना चाहिए और प्रार्थना को सभी बुराईयों से दूर करने, भविष्यद्वाणी, न्याय करने, निंदा करने, परामर्श देने, प्रभावित करने या गलत तरीके से प्रभावित होने से बचाने के लिए प्रार्थना करनी चाहिए।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 1

कर्तव्य के प्रति सतर्कता

इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का यह कर्तव्य होगा कि वह प्रतिदिन आक्रामक मानसिक सुझाव से बचाव करे, और भूलकर भी ईश्वर के प्रति अपने कर्तव्य की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए, अपने नेता और मानव जाति के लिए। उनके कामों से उन्हें आंका जाएगा, — और वह उचित या निंदनीय होगा।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 6